PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 24 May 2017, Page 11
Width: 18.24 cms, Height: 26.79 cms, a4, Ref: 44.2017-05-24.126

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जरिए गरीबों का जीवन स्तर सुधारने की तैयारी : हर्षवर्द्धन

नई दिल्ली, (वार्ता): विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डा. हर्षवर्द्धन ने कहा है कि मोदी सरकार विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान और खोजों के जरिए आमजन खासकर गरीब और ग्रामीण आबादी का जीवन स्तर सुधारने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

डा. हर्षवर्द्धन आज यहां अपने मंत्रालय की पिछले तीन साल की उपलब्धियों का खाका पेश करने के अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वार शुरू किए गए कुशल भारत, स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे सभी प्रमुख अभियानों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से और सशक्त बनाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति तक विज्ञान को सीधे पहुंचा कर उसके महत्व को बताने की कोशिश की जा रही है। इस समय देश में जैव प्रैद्योगिकी, स्वास्थ्य, अनुवांशिकि इंजीनियरिंग, हरित ऊर्जा, समुद्र विज्ञान, मौसम विज्ञान और पर्यावरण समेत कई ऐसे क्षेत्रों में 140 से ज्यादा अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं जो सीधे तौर पर जन समस्याओ के निदान से जुड़े हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि ये अनुसंधान पहली बार हो रहे हैं लेकिन पिछले तीन साल में जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है इन वैज्ञानिक शोधों में बेहतर समन्वय बनाने तथा इन्हें प्रयोगशालाओं की चहारदीवारियों से निकाल कर आम जनता के बीच पहुंचाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में उनके मंत्रालय की देखरेख में शुद्ध पेय जल की व्यवस्था,हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सूर्य ज्योति योजना, कचरा प्रबंधन के जरिए प्लास्टिक से डीजल तैयार करने, कीट रोधी फसल, किफायती कृषि उपकरण, स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोटावायरस जैसे टीके, महिलाओं के लिए सुविधाजनक गर्भरोधक दवा, दिल के मरीजों के लिए जेनरिक दवाएं, दृष्टि हीनों के लिए दिव्य नैन जैसे उपकरण, दूध में मिलावट की पहचान के लिए क्षीर स्वचलित प्रणाली का विकास, देवस्थल को रौशन करने के लिए एशिया के सबसे बड़े टेलीस्कोप की व्यवस्था, भूकंप, सुनामी, जलवायु परिवर्तन और चक्रवातों की सक्षम पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने तथा ध्रुवीय और गहरे समुद्र में ऊर्जा और खनिजों के नए ह्योतों की तलाश के लिए अभिनव प्रयोग और अनुसंधान किए गए।

श्री हर्षवर्द्धन ने कहा कि ये शोध चाहे किसी भी स्तर पर और कहीं भी हुए हैं सबको एक साथ जोड़ने और उन्हें समान महत्व दिलाने की कोशिश की गई है। वैज्ञानिकों के लिए शोध का विश्वस्तरीय माहौल तैयार किया गया है ताकि ब्रेन ड्रेन को रोका जा सके। इस कोशिश का ही फल है कि अबतक एक हजार भारतीय वैज्ञानिक स्वदेश लौटे हैं। बाहर से प्रतिभावान वैज्ञानिकों को विदेशों से भारत लाने की कोशिश के तहत उनके लिए विशेष फेलोशिप की व्यवस्था शुरू की गई है।

डा. हर्षवर्द्धन ने इस अवसर पर अपने मंत्रालय की कुछ खास उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मौसम विज्ञान कचरा प्रबंधन,ध्रुवीय क्षेत्र अनुसंधान और नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत काफी तेजी से आगे निकल रहा है और आने वाले कुछ सालों में दुनिया में शीर्ष पर होगा।

उन्होंने कहा कि ध्रुवीय क्षेत्र में अनुसंधान के लिए उनके कार्यकाल में भारत और नार्वे के सहयोग से तीन अभियान शुरू किए गए है। इससे ध्रुवीय क्षेत्रों के मौसम और पारिस्थिकि में बदलाव का गहन अध्ययन हो रहा है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारणों में इसके प्रभाव को आंका जा सके। पहली बार देश धुव्रीय क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए एक समुद्री जहाज खरीदने की योजना बनाई गई है।

समुद्री विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए हिन्द महासागर क्षेत्र के देशों के साथ मिलकर हैदराबाद मे एक बड़ा प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया है। तटीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए त्रिवेन्द्रम समुद्र तट पर एक वीडियो इमेजिंग प्रणाली स्थापित की गई है।

मौसम विज्ञान प्रणाली के क्षेत्र में नए अनुसंधान से पहली बार आईपीसीसी में इस बार भारत की मौसम विज्ञान प्रणाली को शामिल किये जाने की तैयारी की गई है।